Himachal Pradesh
Forest Department

आय सृजन गतिविधि

व्यवसाय योजना मधुमखी पालन एवं केंचुआ खाद बनाना 2023

स्वयं सहायता समूह का नाम	:	महामाया स्वयं सहायता समूह
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	:	महामाया
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	झुन्गी
डीएमयू/वन मंडल का नाम	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका द्वारा तैयार:-
के द्वारा प्रायोजित डीएमयू सुकेत, एफटीयू झुन्गी और महामाया स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

विवरण	पृष्ठ
कार्यकारी सारांश	3
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	3
मंझार वन ग्रामीण विकास समिति	3
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4
गांव का भौगोलिक विवरण	5
उत्पादन योजना का विवरण	5
कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन	6
मार्केटिंग/बिक्री का विवरण	7
स्वोट विश्लेषण	7
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
वित् आवश्यकता	9
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	10
ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	10
निगरानी विधि	11
व्यापार योजना आय सृजन गतिविधि- केंचुआ खाद बनाना	12
परिचय	12
कृमि खाद	12
उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण	13
उत्पादन योजना का विवरण	13-14
स्वोट अनालिसिस	14
अर्थशास्त्र का विवरण	15-16
आर्थिक विश्लेषण के निष्कर्ष	17
फंड के स्रोत	17
निगरानी विधि	18
परियोजना की कुल लागत	19
अनुलग्नक	20-21

कार्यकारी सारांश

मधुमखी पालन हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों का मुख्य वयवसाय है जिसे लोग पुश्तैनी गतिविधी के रूप में अपनाये हुए है जो प्रायः अपने घरों में दीवारों में मधुमखी के छाते लगा कर मौसमी शहद निकाल कर अपना आजीविका में वृधि दर्ज करते है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए मधुमखी पालन आय सृजन गतिविधि का चयन महामाया स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। मधुमखी पालन की यह आईजीए इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह को प्रारंभ में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह गतिविधि इस समूह की कुछ सदस्यों द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा मौसमी समय मे जब फूलों की बहुतायत होती है उस समय इस क्षेत्र में मधुमखी पालन का कार्य तथा इसस से शहद निकलना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना कार्य रहेगा। जब फूलों की इस क्षेत्र में कमी होगी तो ऐसी अवस्था में डिबों को दूसरे स्थान पर स्थानातर किया जायगा जहाँ उस समय फूलों की प्रचुर मात्रा होगी । यह प्रक्रिया साल दर साल चलती रहेगी । प्रारंभ में समूह शहद निकालना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना कार्य करेगा। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के पूरे विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	शहद निकालना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना और उसका विक्रय
उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ स्वयं सहायता समूह महिलाओं द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा तय किया गया है
एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

कार्यकारी सारांश

पंडार वन ग्रामीण विकास समिति:-

महामाया ग्रामीण वन विकास समिति पंडार और घरोट राजस्व मुहल का हिस्सा है और ग्राम पंचायत घरोट में ग्रामीण वन विकास समिति का गठन किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के गोहर ब्लॉक में स्थित है और 31.4328591Â° उत्तर अक्षांश- 77.0535360Â° पूर्व देशांतर के बीच स्थित है। महामाया ग्रामीण वन विकास समिति सुकेत वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के झुंगी वन रेंज के अंतर्गत पंडार ब्लॉक के पंडार बीट के अंतर्गत आता है।

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषता:-

ग्रामीण वन विकास समिति मौसमी सब्जियों के लिए जाना जाता है। क्षेत्र सेब उत्पादन के लिए भी जाना जाता है। पंडार वार्ड में स्थित दुर्गा महामाया मंदिर पुरे क्षेत्र मे प्रसिद्ध है।

परिवारों की संख्या	103
बीपीएल परिवार	88 =45.12%
कुल जनसंख्या	636
कुल मवेशी	677

स्वयं सहायता समुह का विवरण

महामाया स्वयं सहायता समुह का गठन जुलाई 2018 में महामाया वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

महामाया स्वयं सहायता समुह महिला (छः महिला) समूह है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने मधुमखी पालन करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 06 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 1000/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	मीरा देवी	प्रधान	सामान्य	39	10वीं	8219224489
2.	किरना कुमारी	सचिव	सामान्य	32	12वीं	8580623287
3.	नर्वदा देवी	कोषाध्यक्ष	सामान्य	38	12वीं	9816873612
4.	सुभद्रा कुमारी	सदस्य	सामान्य	36	10वीं	7018797948
5.	राजकुमारी	सदस्य	सामान्य	44	5वीं	8580578167
6.	जयवन्ती	सदस्य	सामान्य	48	9वीं	9317604809

मीरा देवी (अध्यक्ष)

किरना कुमारी (सचिव)

नर्वदा देवी (कोषाध्यक्ष)

राज कुमारी (सदस्य)

जयवंती (सदस्य)

सुभद्रा देवी (सदस्य)

महामाया स्वयं सहायता समूह महामाया पंडार

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	महामाया
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	महामाया पंडार
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	झुन्गी
डीएमयू/वन मंडल का नाम	::	सुकेत
गांव	::	पंडार
खंड	::	सुंदर नगर
ज़िला	::	मंडी
स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	06
गठन की तिथि	::	जुलाई 2018
बैंक का नाम और विवरण	::	Punjab National Bank Jhungi
बैंक खाता संख्या	::	245100010078527
एसएचजी/मासिक बचत	::	600/-
कुल बचत	::	74112/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूरी	:	74 किमी
मुख्य मार्ग से दूरी	: :	0 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	:	सुंदर नगर 50 किमी, झुन्गी 10 किमी, निहरी 06 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	सुंदर नगर 50 किमी, झुन्गी 10 किमी, निहरी 06 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	सुंदर नगर, झुन्गी, निहरी लगभग ।
पिछली और अग्रिम कड़ियों की स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) कंपोस्ट बैग स्पैन (बागवानी विभाग) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

- समूह शहद निकालना व मूल्यवर्धन तथा नयी कॉलोनी बनाना और उसका विक्रय यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा स्थानीय परिस्थितियों में गाँव में की जाएगी। तथा विपरीत परिस्थितियों में डिब्बों का परिवहन दूसरे स्थान को किया जायेगा
- यह प्रक्रिया लगभग 75-90 दिनों तक चलती है । तभी उत्पाद प्राप्त होता है
- उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, और पैकिंग आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है।

- प्रारंभ में समूह मौसम के दौरान इलाके में उपलब्ध स्थानीय फूलों व वनस्पति पर आधारित रहेंगे परन्तु समय के साथ विभिन्न अन्य प्रजातियों की जो अलग अलग मौसम में फूल और फल उत्पन्न करती है का क्षेत्र में पौधरोपण किया जायेगा जिससे पुरे वर्ष मे फूलों की उपलब्धता रहे ।
- शुरू के हर तीन महीने में समूह लगभग 1.50 क्विंटल शहद का उत्पाद करेगा तथा इस से मोम व मोम से सम्बंधित अन्य उत्पाद भी तैयार करेगा जिसमे वैक्स चुइंगस्म आदि का निर्माण करेगा और अन्य उत्पाद भी बनाएगा जिसमें समान उत्पाद व प्रक्रिया का उपयोग होता है ।

उत्पादन योजना का विवरण

उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	75-90 दिन
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	:	जैसी ज़रूरत
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय जंगल/लोगों के खेत/ बगीचे में लगे फूल
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	जन्गली औषधीय पौधे
मधुमखी को 3 किलो शहद बनाने के लिए प्रति चक्र आवश्यक मात्रा	::	300 किलो फूल
प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	150 किलो प्रत्येक

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

अनु क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	राशि प्रति इकाई (रु.)	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन त्रेमासिक (किग्रा)
1	मधुमखी छत्ते	नंबर	75-90 दिन	30	3200	96000	90

मार्केटिंग/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	सुंदर नगर 50 किमी, झुन्गी 10 किमी, निहरी 06 किमी लगभग ।
2	इकाई से दूरी	
3	बाजार में उत्पाद की मांग	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य, स्थानीय होटल व्यवसायियों से उनकी मांग के लिए हर महीने संपर्क करेंगे और बाजार में मांग, खुदरा विक्रेता / थोक विक्रेता का चयन / सूची करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	स्वयं सहायता समूह सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद 0.5-1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	" पंडार का शहद "

स्वोट विश्लेषण

ताकत -

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है
- घर का बना, कम लागत

कमजोरी -

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अत्यधिक श्रमसाध्य कार्य।
- अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा ।

मौका -

- मुनाफे के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।
- दुकानों फास्टफूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक व्यापारी, कैंटीन रेस्तरां और रसोइया गृहिणियों में उच्च मांग बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
- सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग ।

खतरे / जोखिम -

- विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव ।
- कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी ।
- प्रतिस्पर्धी बाजार ।

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समुह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा। (श्रम विभाग)

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात - कच्चे माल का संग्रह आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

ए।	**पूंजी लागत**			
अनु क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	मधुमखी छत्ते (*Apis mellifera* and *Apis cerana indica*)	30	3200	96000
2	मधुमखी छत्ते से शहद निकालने वाला (Honey Extractor)	1	4480	4480
3	शहद निकालने वाली ट्रे	1	2800	2800
4	धुंआ फैलाने वाला यंत्र	7	450	3150
5	Bee vails	7	90	630
	कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**107060**
बी।	**आवर्ती लागत**			

अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	Yearly consumption of Sugar by bee (chemical free)	किग्रा	7	800	5600
2	Yearly requirement of Tins for packing	नंबर	29	150	4350
3	Repair & Maintenance	L/S			3000
4	Carriage and Cartage	L/S			2000
5	Miscellaneous expenditure (stationary, bill book, receipt book, etc.	L/S			1000
	आवर्ती लागत				**15950**
	कुल परियोजना लागत 107060+ 15950=123010				

उत्पादन की लागत (त्रेमासिक)	
विवरण	**राशि (रु.)**
कुल आवर्ती लागत	15950
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	2676
कुल	**18626**

विक्रय मूल्य गणना(प्रति चक्र)		
विवरण	**इकाई**	**राशि (रु.)**
बनाने की कीमत	-	-
वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	600-700
अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	700

आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक):

विवरण	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	10706
कुल आवर्ती लागत	15950
प्रति बर्ष कुल उत्पादन (किलोग्राम)	360
विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	700
आय सृजन (700*360)	252000
शुद्ध लाभ	मासिक आधार पर 252000-123010=128990
सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित लाभ	128990/6= 21498 प्रति सदस्य
शुद्ध लाभ का वितरण	लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।
	लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा।
	IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग

	किया जाएगा

वित् आवश्यकता:

विवरण	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
कुल पूंजी लागत	107060	80295	26765
कुल आवर्ती लागत	15950	0	15950
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	100000	100000	0
कुल	**223010**	**180295**	**42715**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा दिया जायेगा
- **आवर्ती लागत -** स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित् के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	पूंजीगत लागत का 75 % मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करते हुए मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समुह योगदान	पूंजीगत लागत का 25 % स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। स्वयं सहायता समुह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

= पूंजीगत व्यय/विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन की लागत (प्रति किग्रा)

= 107060/ (700-133.33)

=107060/567

= 189 किलो

इस प्रक्रिया में 189 किलो शहद बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा । जो पहले छह महीने में प्राप्त किया जा सकता है

आय के अन्य स्रोत:

ग्रामीणों/स्थानीय लोगों की गलगल, आवला, दाल, गेहूं, मक्का आदि पीसने से आय।

बैंक ऋण चुकौती - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

व्यापार योजना
आय सृजन गतिविधि- केंचुआ खाद बनाना
द्वारा
महामाया स्वयं सहायता समूह

परिचय

सरल उत्पादन तकनीकों, पारिस्थितिक, आर्थिक और इससे जुड़े मानव स्वास्थ्य लाभों के कारण केंचुआ खाद बनाना देश में एक मजबूत मुकाम हासिल कर रहा है। विशेष रूप से देश के दक्षिणी और मध्य भागों में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के तकनीकी मार्गदर्शन के तहत, उद्यमियों द्वारा सरकार के समर्थन के तहत, वर्मीकम्पोस्टिंग इकाइयों की एक महत्वपूर्ण संख्या स्थापित की गई है।

वर्मीकम्पोस्टिंग के प्रत्यक्ष पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ हैं क्योंकि यह स्थायी कृषि उत्पादन और किसानों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कई गैर सरकारी संगठन, समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), ट्रस्ट आदि हैं जो अपने स्थापित आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के कारण वर्मीकंपोस्टिंग प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

कृमि खाद

केंचुओं को पालने/उपयोग करके कम्पोस्ट का उत्पादन वर्मी कम्पोस्टिंग तकनीक कहलाता है। इस तकनीक के तहत, केंचुए बायोमास खाते हैं और इसे पचे हुए रूप में उत्सर्जित करते हैं जिसे वर्मीकम्पोस्टिंग या वर्मीकम्पोस्ट के रूप में जाना जाता है । यह छोटे और बड़े पैमाने के किसानों दोनों के लिए खाद के उत्पादन के लिए सबसे सरल और लागत प्रभावी तरीकों में से एक है। वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन इकाई किसी भी ऐसी भूमि में स्थापित की जा सकती है जो किसी भी आर्थिक उपयोग के अधीन नहीं है बल्कि छायादार और पानी के ठहराव से मुक्त है। स्थान भी जल संसाधन के निकट होना चाहिए

वर्मीकम्पोस्टिंग, जिसे सही मायने में "कचरा रूपी सोना" कहा जाता है, जैविक कृषि उत्पादन में प्रमुख इनपुट है। सरल तकनीक के कारण, कई किसान वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन में लगे हुए हैं क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य को मजबूत करता है, मिट्टी की उत्पादकता खेती की लागत को कम करती है। पोषक तत्वों की उच्च मात्रा के कारण वर्मीकम्पोस्ट की मांग में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है ।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	केंचुआ खाद
उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की

		जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से तय किया गया है
एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

चरण		विवरण
चरण -1	::	प्रसंस्करण जिसमें घास फूस का संग्रह, और जैविक कचरे का भंडारण शामिल है।
चरण-2	::	जैविक कचरे का बीस दिनों के लिए पशुओं के गोबर के घोल के साथ सामग्री को ढेर करके पूर्व पाचन। यह प्रक्रिया आंशिक रूप से सामग्री को पचाती है और केंचुआ खपत के लिए उपयुक्त है। मवेशियों के गोबर और बायोगैस के घोल को सुखाने के बाद इस्तेमाल किया जा सकता है। गीले गोबर का उपयोग वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के लिए नहीं करना चाहिए।
चरण-3	::	केंचुआ क्यारी तैयार करना। वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के लिए कचरे को डालने के लिए एक ठोस आधार की आवश्यकता होती है। ढीली मिट्टी कीड़े को मिट्टी में जाने देगी और पानी देते समय, सभी घुलनशील पोषक तत्व पानी के साथ मिट्टी में चले जाते हैं।
चरण-4	::	वर्मी-कम्पोस्ट संग्रह के बाद केंचुओं का संग्रह। पूरी तरह से कंपोस्ट की गई सामग्री को अलग करने के लिए कंपोस्ट की गई सामग्री को छान लें। आंशिक रूप से कम्पोस्ट की गई सामग्री को फिर से वर्मी कम्पोस्ट बेड में डाल दिया जाएगा।
चरण-5	::	नमी बनाए रखने और लाभकारी सूक्ष्मजीवों को बढ़ने देने के लिए वर्मी-कम्पोस्ट को उचित स्थान पर संग्रहित करना।
चरण-6		10X4X2.5 का ईंटों का पका गड्ढा बनाया जाएगा और उसे पानी से बचाने के लिए छप्पर का प्रावधान होगा

उत्पादन योजना का विवरण

उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	90 दिन (वर्ष में तीन चक्र)
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	1
कच्चे माल का स्रोत	::	घर और अपने खेतों से
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	मुक्त बाज़ार
कच्चा माल - आवश्यक मात्रा प्रति चक्र (किलो) प्रति सदस्य	::	1800 किलो प्रति चक्र
प्रति सदस्य प्रति चक्र (किलो) अपेक्षित उत्पादन	::	900 किलोग्राम प्रति चक्र

विपणन/बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान	::	हिमाचल प्रदेश वन विभाग स्थानिय बाज़ार अपने खेत पर प्रयोग करने के लिए
इकाई से दूरी	::	
बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	HOFF (वन विभाग) उनकी नर्सरी के लिए प्रचुर मात्र में वर्मी -कम्पोस्ट खरीद रहा है
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	पीएमयू हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूह द्वारा उत्पादित वर्मी -कम्पोस्ट की

		खरीद की सुविधा प्रदान करेगा।
उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्प तलाशेंगे।
उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
उत्पाद "नारा"		"प्रकृति के अनुकूल"

स्वोट अनालिसिस

- **ताकत**
- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- एसएचजी के प्रत्येक सदस्य के पास प्रत्येक घर में 2 से 8 तक के मवेशी हैं
- एसएचजी सदस्यों के परिवार उच्च मूल्य वाली फसलों और सब्जियों की खेती कर रहे हैं जो पूरे वर्ष कच्चे माल यानी कृषि जैविक कचरे की पर्याप्त उपलब्धता प्रदान करते हैं।
- उनके खेतों में आसानी से उपलब्ध कच्चा माल
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- उत्पाद आत्म-जीवन लंबा है
- **कमज़ोरी**
- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- तकनीकी जानकारी का अभाव
- **अवसर**
- जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की बढ़ती मांग
- वर्मी -कम्पोस्ट का अपने खेत में प्रयोग करने से मृदा स्वास्थ्य में सुधार और वृद्धि तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद का उत्पादन होगा जो बेहतर मूल्य प्रदान करेगा।
- रसोई घर से बाहर रह गए घरेलू कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग
- एचपी फॉरेस्ट के साथ मार्केटिंग गठजोड़ की संभावना
- **धमकी/जोखिम**
- अत्यधिक मौसम के कारण उत्पादन चक्र के टूटने की संभावना
- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों के बीच प्रतिबद्धता का स्तर

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

- उत्पादन - कच्चे माल की खरीद सहित व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा इसका ध्यान रखा जाएगा
- गुणवत्ता आश्वासन - सामूहिक रूप से
- सफाई और पैकेजिंग - सामूहिक रूप से
- मार्केटिंग - सामूहिक रूप से
- इकाई की निगरानी - सामूहिक रूप से

अर्थशास्त्र का विवरण

(राशि वास्तविक रु . में)

क्रमांक	विवरण	इकाइयों	मात्रा / संख्या।	लागत (रु .)	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
ए।	**पूंजी लागत**								
ए.1	**उपकरण और औजार**								
	बीज केंचुआ उपकरण, उपकरण, वजन पैमाने आदि।	प्रति सदस्य	12	2000	24000	0	0	0	0
	कुल (ए.1)				**24000**	**0**	**0**	**0**	**0**
बी	**आवर्ती लागत**								
2	बीज केंचुआ	प्रति किलो	12	500	6000	0	0	0	0
3	गारा/गोबर/अपशिष्ट की खरीद की लागत	टन	80	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध
4	श्रम लागत	प्रति टन	40	700	28000	29400	30870	32414	34034
5	पैकिंग सामग्री	नंबर	5000	2	10000	10500	11025	11576	12155
6	अन्य हैंडलिंग शुल्क	प्रति टन	40	150	6000	6300	6615	6946	7293
सी	**अन्य शुल्क**								
7	बीमा	एल/एस			0	0	0	0	0
	कुल आवर्ती लागत				**50000**	**46200**	**48510**	**50936**	**53482**
	कुल लागत - पूंजी और आवर्ती				**74000**	**46200**	**48510**	**50936**	**53482**
डी	**वर्मी कम्पोस्टिंग से आय**								
8	**वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री**	टन	40	**6000**	**240000**	**252000**	**264600**	**277830**	**291722**
9	**कुल मुनाफा**				**240000**	**252000**	**264600**	**277830**	**291722**
10	**शुद्ध रिटर्न (सीबी)**				**190000**	**205800**	**216090**	**226894**	**238240**

नोट - चूंकि श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा और उनके स्थान पर पहले से उपलब्ध घोल / गोबर / अपशिष्ट और ये सामग्री समूह के पास उपलब्ध है इसलिए, आवर्ती लागत (श्रम लागत, घोल / गोबर / अपशिष्ट की खरीद की लागत)) की कुल आवर्ती लागत से कटौती की जाती है।

आर्थिक विश्लेषण

विवरण	**वर्ष 1**	**वर्ष 2**	**वर्ष 3**	**वर्ष 4**	**वर्ष 5**	
पूंजी लागत	**24000**	**0**	**0**	**0**	**0**	
आवर्ती लागत	**50000**	**46200**	**48510**	**50936**	**53482**	
कुल लागत	**74000**	**46200**	**48510**	**50936**	**53482**	273128
कुल लाभ	**240000**	**252000**	**264600**	**277830**	**291722**	1326152
शुद्ध लाभ	**190000**	**205800**	**216090**	**226894**	**238240**	**1077024**
लागत का शुद्ध वर्तमान मूल्य @15 प्रतिशत	**273128**					
लाभ का शुद्ध वर्तमान मूल्य @15 प्रतिशत	**1077024**					
लाभ लागत अनुपात	**3.94**					

शुद्ध लाभ का वितरण - उत्पादन में हिस्सेदारी के अनुसार।

आर्थिक विश्लेषण के निष्कर्ष

- प्रत्येक सदस्य के लिए गड्ढे का आकार एक गड्ढे के लिए 10X4X2 फीट की योजना बनाई गई है।
- वर्मी कम्पोस्ट की उत्पादन लागत रु . 1.85 प्रति किग्रा
- वर्मी -कम्पोस्ट (सरंक्षण पक्ष) की बिक्री रु . 6 प्रति किलो
- रुपये का शुद्ध लाभ होगा 4.15 प्रति किग्रा
- यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य प्रति वर्ष 3.3 टन वर्मी -कम्पोस्ट का उत्पादन करेगा जिसके परिणामस्वरूप 40 टन का उत्पादन होगा एक वर्ष में स्वयं सहायता समूह के सभी 12 सदस्यों द्वारा वर्मी -कम्पोस्ट।
- केंचुआ कीमत = 500.00 प्रति किग्रा
- वर्मी - खाद बनाना एक लाभदायक IGA है और इसे SHG सदस्यों द्वारा लिया जा सकता है।

फंड की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना का समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	24000	18000	6000
2	कुल आवर्ती लागत	50000	0	50000
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50000	50000	0
	कुल =	**124000**	**68000**	**56000**

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत - पूंजीगत लागत** का 75% परियोजना के तहत कवर किया जाएगा
- **आवर्ती लागत** - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन** - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

फंड के स्रोत:

परियोजना का समर्थन;	• पूंजीगत लागत का 75 % तौल मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा • 1 लाख रुपये SHG बैंक खाते में रखे जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें तौल मशीनों की खरीद शामिल है • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- परियोजना अभिविन्यास समूह का गठन/पुनर्गठन
- समूह अवधारणा और प्रबंधन
- आईजीए (सामान्य) का परिचय
- विपणन और व्यवसाय योजना विकास
- बैंक क्रेडिट लिंकेज और उद्यम विकास
- एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर दौरा - राज्य के भीतर और राज्य के बाहर

निगरानी तंत्र

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

मधुमखी पालन परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 107060/-

आवर्ती लागत = 15950/-

मधुमखी पालन परियोजना के लिए कुल = 123010/-

केंचुआ खाद बनाना परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 24000/-

आवर्ती लागत = 50000/-

केंचुआ खाद बनाना परियोजना के लिए कुल = 74000/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 197010/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	मधुमखी पालन	107060	15950	80295	42715	123010
2	**केंचुआ खाद बनाना**	24000	50000	18000	56000	74000
	कुल	**131060**	**65950**	**98295**	**98715**	**197010**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (मधुमक्खी पालन और केचुआ खाद बनाना) द्वारा चुना गया।

सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	मीरा देवी	प्रधान	सामान्य	31	Meera Devi
2.	निरमा कुमारी	सचिव	सामान्य	32	Nirmala
3.	नर्वदा देवी	कोषाध्यक्ष	सामान्य	38	Narbada Devi
4.	सुगना कुमारी	सदस्य	सामान्य	36	Sugna
5.	राजकुमारी	सदस्य	सामान्य	44	राजकुमारी
6.	जयन्ती	सदस्य	सामान्य	48	जयन्ती
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					
13.					
14.					
15.					
16.					
17.					
18.					

हस्ताक्षर
प्रधान
सचिव
महामाया स्वयं सहायता समूह
ग्राम पंचायत घरोट, त0 निहरी
जिला मण्डी (हि0प्र0)

हस्ताक्षर
प्रधान
सचिव
महामाया स्वयं सहायता समूह
ग्राम पंचायत घरोट, त0 निहरी
जिला मण्डी (हि0प्र0)

हस्ताक्षर
प्रधान
सचिव ,वन ग्रामीण विकास समिति
महामाया ग्रामीण वन विकास समिति
ग्रा0प0 घरोट त0 निहरी जि0 मण्डी (हि0प्र0)–175031

हस्ताक्षर
प्रधान
सचिव ,वन ग्रामीण विकास समिति
महामाया ग्रामीण वन विकास समिति
ग्रा0प0 घरोट त0 निहरी जि0 मण्डी (हि0प्र0)–175031

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
क्षेत्र अधिकारी,
जिला मण्डी (हिमाचल प्रदेश)

डीएमय द्वारा स्वीकृत
Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sunder Nagar (H.P.)